

हाथः

एकवचन या बहुवचन

रमाकान्त अग्निहोत्री

हिन्दी फिल्मों का एक बहुत
घिसा-पिटा डायलॉग है
(चकमक का सितम्बर 2009
अंक देखें, पेज 16-17)

1. कानून के हाथ बहुत
लम्बे होते हैं।

कुछ उलझन-सी
हुई जब वाक्य के बारे में
ध्यान से सोचा। अर्थ तो साफ
था। वाक्य बहुवचन में है –
“लम्बे होते हैं।” से भी ऐसा ही
लगता है। बात “हाथों” की होनी
चाहिए, फिर “हाथ” क्यों? और
क्रिया का रिश्ता “कानून” से है या
“हाथ” से? (इसके बारे में विस्तार से
चर्चा किसी अन्य अंक में करेंगे।) बात
तो कानून की हो रही है और वही
वाक्य में पहले आता भी है। “कानून के
हाथ” एक टुकड़ा-सा लगता है।
लेकिन हाथ एकवचन है या बहुवचन –
सोचा, कुछ फेरबदलकर देखते हैं।

2. कानून की किताबें बहुत लम्बी होती
हैं।

बहुत गड़बड़ घोटाला है मियाँ! क्या

जज: कानून के
हाथ लम्बे होते हैं।
अमिया: आप उनसे
मेरी पतंग पकड़ने
को कहिए न!

चित्र: सौम्या मैनन

चक्कर है? “हाथ” का “हाथ” ही रहा और “किताब” का
“किताबें” हो गया। यही नहीं, “लम्बे” की जगह “लम्बी”
और “होते” की जगह “होती” हो गया। भाषा में लगता है
कि बात निकलती है तो बहुत दूर तक जाती है। शायद वाक्य
संरचना का यही अर्थ है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि “हाथ”
एकवचन भी है और बहुवचन भी – लगता तो है।

3. एक हाथ 4. दो हाथ 5. दस लम्बे-लम्बे हाथ
साफ है – “हाथ” एकवचन भी हो सकता है और बहुवचन
भी। “कानून के हाथ बहुत लम्बे होते हैं।” इस वाक्य में किन
बातों से पता लगता है कि हाथ का प्रयोग बहुवचन में हुआ है:
के, लम्बे, होते, हैं। ये चारों शब्द इस बात के प्रमाण हैं कि
इस वाक्य में हाथ बहुवचन है। ऐसा है तो हिन्दी में और भी
कई ऐसे शब्द होने चाहिए। हैं भी – घर, बालक, गुलाब,
गुलाबजामुन आदि। फिर वाक्य दो में क्या हो रहा है भाई!
“हाथ” के अन्त में भी व्यंजन है और “किताब” के अन्त में।
लेकिन “हाथ” का व्यंजन “हाथ” और “किताब” का
“किताबें”। कहीं लिंग का चक्कर तो नहीं? लगता तो है।
“लम्बा हाथ” लेकिन “किताब लम्बी”। तो “हाथ” पुल्लिंग है
और “किताब” स्त्रीलिंग। इसलिए तो की, लम्बी, होती सब
स्त्रीलिंग हैं।



सचमुच, बात दूर
तक जाती है।
सारे वाक्य पर छा
जाती है लिंग
और वचन की
छवि। किताब
जैसे भी अनेक
शब्द हिन्दी में भी
हैं – साइकिल,
बस, कार, पेंसिल
आदि। सभी
व्यंजन पर खत्म हो रहे हैं और सभी स्त्रीलिंग हैं। यह समझ
तो हर हिन्दी भाषी को होती है कि शब्द पुल्लिंग हैं या
स्त्रीलिंग। लेकिन यह “हाथों” और “किताबों” का क्या
चक्कर है?

6. गब्बर के हाथों की लकीरों में क्या लिखा था?

7. कानून की किताबों में क्या लिखा था?

क्या हिन्दी में हर शब्द के दो बहुवचन होते हैं? अंग्रेज़ी में तो
एक ही होता है। हिन्दी में पता नहीं दो होते हैं या तीन? तुम
सोचो। इस बात का जवाब तो तुम दे ही सकते हो अब कि
कब और कैसे “हाथ” (एकवचन), “हाथ” (बहुवचन) और
“हाथों” का प्रयोग होता है। और यह भी कि हाथ और
किताब में क्या अन्तर है।

चकमक

